

टक्कार का- जोड़ का, बराबरी का; टक्कर खाना- मुकाबले का होना; टक्कर लेना- वार सहना, भिड़ना; टक्कर मारना- मुकाबला करना, हैरान होना; टक्कर लड़ना- माथे से माथा भिड़ना; टक्कर लड़ाना- सिर से धक्का मारना 4. घाटा, हानि, नुकसान मुहा. टक्कर लगाना- नुकसान होना प्रयो. बैठे बिठाए सौ रुपए की टक्कर लग गई; टक्कर झेलना- घाटा या हानि सहना।

टखना पुं. (देश.) एड़ी के ऊपर निकली हुई हड्डी की गाँठ।

टगण पुं. (तत्.) छह मात्राओं का एक गण।

टगना अ.क्रि. (देश.) टलना, डिगना।

टगर पुं. (देश.) 1. सोहागा 2. मेंड़, टीला वि. तिरछी निगाह से देखने वाला।

टघरना स.क्रि. (देश.) पिघलना।

टचटच क्रि.वि. (देश.) धार्य-धार्य करते हुए जलना, धू-धू कर जलना।

टचना अ.क्रि. (देश.) आग का जलना।

टचनी पुं. (देश.) बरतनों पर नक्काशी करने वाला एक औज़ार।

टटका वि. (देश.) 1. हाल ही का, ताज़ा 2. नया, कोरा प्रयो. टटका घड़ा- कोरा घड़ा।

टटल बटल वि. (देश.) ऊटपटांग, अंटसंट।

टटाना अ.क्रि. (देश.) सूख जाना।

टटावली स्त्री. (देश.) कुररी, तिरिहरी।

टटिया स्त्री. (देश.) टट्टी।

टटीरी स्त्री. (देश.) टिटिहरी चिड़िया।

टटुवा पुं. (देश.) दे. तिरिहरी।

टटोरना स.क्रि. (देश.) दे. टटोलना।

टटोल स्त्री. (देश.) टटोलने का भाव या क्रिया।

टटोलना स.क्रि. (देश.) 1. उंगलियों से छूना/दबाकर देखना 2. किसी वस्तु को इधर-उधर हाथ फेरकर पता लगाना 3. किसी के बारे में पता लगाना,

किसी के हृदय के भाव जानना, थाह लेना मुहा. मन टटोलना- हृदय के भाव का पता लगाना।

टटोहना स.क्रि. (देश.) दे. टटोलना।

टट्टनी स्त्री. (तद्.) छिपकली।

टट्टर पुं. (तत्.) परदे के लिए लगाया गया बाँस आदि की फट्टियों का पल्ला।

टट्टरी स्त्री. (तत्.) 1. ढोल या नगाड़े का शब्द 2. चुहलबाजी, ठट्ठा 3. एक बाजा, ढोल।

टट्टा पुं. (तद्.) बाँस की फट्टियों का परदा या पल्ला, लकड़ी का पल्ला, बड़ी टट्टी।

टट्टी स्त्री. (तद्.) 1. बाँस की फट्टियों, सरकंडों आदि से जोड़ कर बनाया गया ढाँचा जिसे परदे के रूप में प्रयोग किया जाता है मुहा. टट्टी की आड़ से शिकार खेलना- छिपकर चाल चलना, गुप्त रूप से कार्य करना; टट्टी में छेद करना- खुले आम कुकर्म करना, बेशर्म होना, निर्लज्ज होना; टट्टी लगाना- परदा लगाना, आड़ करना, किसी के आगे भीड़ लगाना 2. चिक-चिलमन 3. पाखाना।

टट्टी संप्रदाय पुं. (तत्.) एक धार्मिक वैष्णव संप्रदाय।

टट्टुर पुं. (तत्.) भेरी का शब्द।

टट्टू पुं. (अनु.) छोटे कद का घोड़ा मुहा. टट्टू पार होना-काम निकल जाना, प्रयोजन सिद्ध होना; भाड़े का टट्टू-पैसे लेकर काम करने वाला; टट्टू भड़कना- काम भड़कना-कामोद्दीपन होना।

टड़िया स्त्री. (देश.) बाँह पर पहना जाने वाला एक गहना, बाजूबंद, टाँड़।

टन स्त्री. (अनु.) 1. 1000 किलो का एक परिमाण 2. किसी धातुखंड से टकराने की ध्वनि, टनकार, झनकार मुहा. टन हो जाना- झट से मर जाना।

टनकना अ.क्रि. (अनु.) 1. टनटन बजना 2. धूप लगने से सिर में दर्द होना, रह-रहकर पीड़ा होना।

टनकार स्त्री. (देश.) दे. टंकार।

टनटन स्त्री. (अनु.) घंटा बजने का शब्द।